293

जो भावना व्यक्त हुई है उसका प्रतिबिम्ब ग्रापको रास्तों पर, मैदानों पर, मिलैगा इसलिए हमारा कहना है कि आप जो भी कदम उठायें उसमें मजदरों के हकों पर ग्राक्रमण नहीं होना चाहिए। इस बात को ध्यान में रखते हुए मैं अपेक्षा करता हं कि आप मजदरों के हकों का सदैव ख्याल रखेंगे।

## Difficulties faced by Haj Pilgrims

श्री शमीम ग्रहमद सिटीकी (दिल्ली): डिप्टी चेयरमैन साहिबा, में आपकी मारफत भारत सरकार की तवज्जह दिल्ली में ग्रीर पूरे हिन्द्स्तान में हज यातियों को जो दिक्कतें उठानी पड़ी हैं उनकी तरफ दिलाना चाहता हं। इस मरतवा हज कमेटी की न किस की बजह से ग्रीर सेन्ट्रल हज कमेटी, दिल्ली स्टेट हज कमेटी ग्रौर यु० पी० हज कमेटी की करकरदर्गा और लापरवाही की बजह सेलोगों को दिक्कतें हुई है। हालत यह है कि जिन ह। जियों के कुरें लौट में निकले थे उनको एक हफ्ते तक दिल्ली में ही रहना पड़ा और जब वे दिल्ली पहुंचे तो फल≀इट के बक्त न तो उनके प⊦स टिकट था और न ही उनको पासपोर्ट दिया गया। उसका नतीजा यह निकला कि जिन पर्वे इट्स में चार सौ और सक्टे चार सौ आदमी जाने चाहिए थे उनमें सिर्फ 19 और 51 अंदमी जा सके। इससे लोगों में गम और गुस्सा है। इसकी वजह से लोगों ने दिल्ली हज कमेटी पर हमला किया और पुलिस वालीं ने लोगों को पीटा और बाहर निकाल दिया। दूसरी चीज मैं यह कहना चाहता हं कि दिल्ली हज कमेटी की इतना न किस इंतजाम था कि लोगों के रहने के लिए जो जगह बनाई गई थीं जिसके लिए हज कमेटी रूपया देती है ग्रीर हाजियों के साथ ग्राने वालों से भी 30 रुपया फी आदमी लिया गया था, लेकिन वहां पर नतो पानी को रोकने का इंतजाम या और नहीं लेटने को इंतज मधा जिसकी वजह से लोगों को पानी ग्रीर गन्दगी में रहना पड़ा, पेड़ों के नीचे रहना पड़ा, सड़कों पर रहना पड़ा। इससे लोगों के ग्रन्दर बहुत बड़ा गम ग्रीर गरसा है ।

Mentions

दूसरी बात जिसकी तरफ मैं आपका ध्यान दिलाना चाहता है वह यह है कि जिन लोगों के नाम लाँट में निकले थे उनको न भेजकर दूसरों को भेज। गया। इसकी शिका-यत लोगों ने बजारते खारिजा के पास भी करी। मैं चाहता है कि इस मतालबे की तह-कीकात की जानी चाहिए ग्रीर दिल्ली स्टेट हज कमेटी और सेन्ट्रल हज कमेटी को तोड़ा जाए और इप्यन्दा के लिए सरकारी अफ़सरों को जिम्मेदारी दी जाए कि वे वक्त पर पूरी सहिलयतें और सहयोग दें। ग्राखिर में मैं बजी रेखा रजा को ग्रीर हिन्दुस्तान की सरकार का शुक्रगुजार हं कि उन्होंने इस मामले की नज गत, को समझा ग्रौर हज कमेटी के इतिहास में पहली बार यह हुआ कि हमारी हकमत के कहन पर स ऊदी हुकुमत ने उन 400-450 हाजियों को वक्त गुजरने के बाद भी लेना मंजर किया । इसके लिये मैं हुकुमत का शुक-गजार हं। लेकिन ग्राखिर में मैं श्रापसे कहना चाहंगा कि दिल्ली स्टेट हज कमेटी ग्रौर सेंट्ल हज कमेटी की चन्द ग्रफराद पर मोनोपोली है। मिसोल के तौर पर दिल्ली हज कमेटी के ग्रन्दर 105 ग्रादमी हैं। लेकिन मोनोपोली 11-12 ग्रादिमयों की है। मैं भी दिल्ली हज कमेटी का मेम्बर हं लेकिन ग्राज तक मेरे पास कोई इलला कभी नहीं आई कि हज के लिये ये इंतजामात करने हैं । मेरा मतालवा यह कि ग्रायंदा के लिये जो हज कमेटा बने, अब हज कमेटी का काम क्योंकि ग्रव यह हवाई जहाज के जरिये हाजियों का जाना शरू हो गया है इसलिये इसके ग्रन्दर हमारी मिनिस्ट्री के ग्रफराद, होम मिनिस्ट्री का ग्रादमी, सिविल एबियेशन का आदमी उसके अन्दर हों। इसी तरीके से वजीरे खारजा का भ्रादमी उसके अन्दर हो ताकि अगर कोई ऐसी परेशानियां और दिक्कतें आयें तो उनको फौरन हल किया जा सके। इन ग्रल्फाज के साथ मैं ग्रपका शुक्रगुजार हं।

Special

'295

[ سندى شيم عدولي (دلى) : و ين صيب مادرسياك کے معرفت معیارت مرکار کی زور دال سورا در لور صعرف ين ج المرابع المرابع والمال برورس القراب والم B Poloto , in fint of wood with ا در منیل ع مین دل و دل اسلید مع کس اور لول اع المعيد المركز الدواي كران الم المراكية الما المركزة وقعت ميلى بروالد بسبت كرور خا تبوائك أفرق لاخ س نعک نے اگراک سے کارل س الرا ۔ ان س ده ای سے د مدال مردر از ایک اسوال الدينان بالمريث رائد المريك في المكاكر وملاكر سرة جارسوار ساوليان جارسوا والاملك والمست الت 5082001 Ends 01,119-190 عنم لد عقد بياس كاد ورس دكون دى مع كسن م 22 كن إو لولس والدور لوكن كريشا او امروال בו באינטיק ייני הל היים יישוא על של ב کا اِنَا اُنْ اِنْ اِنْ اِنْ اِنْ اِلْمَا اِنْ الْمَا اِنْ الْمَا الْمَا الْمَا الْمَا الْمَا الْمَا الْمَا ال منافى والم مرك الانسال على من ومد وي الله الدر مادون ك مادواك الدرك يم من وم وم الله الدرك يم دياكذ غام الكل وإلى مرقا لو بالفي كوم مك العراسة المتقال منا de fully and profession in the offers ادر دد في س رخام لا - مدود اي سي رشام ال مدفران مرد ما برا اس ك درد ت الدوست والم عن الديا وعرسان اش اسراع طائد سر، أدر من ودو الأروال جانبامون در مي كامودود در م دار بروك در احد المود در احد المود ال مدارت مارور بس من كراور سرع بالدور اس مواسد كى تحديد الت كى داور داشت دار وقد استداع قرر ادرسترل مع كمن كر قرف مد اوراً مد وكان الرادي اصرود کو ذهد داری ووا ۵ تا در و شیر لدری معودس ادر معود اس دن س افرن من دور فدم اور مدد دسان کی سرا او کا منکد مراس می مسور اس مل سل می سرالت کوسی داد ニージのいかりまかりのいいいいはんを كين إسمودك مكوست إن حارس كاس مادون الم وتحد المرتبع للد في لفنا مرفع كا راس كلية من مكارت ما شكو الداري . تشرية عرب سواب فالمعندازاد برو بدل به - مثال كالمري

دلی اشت جی کمی میرد 100 کارس ایکن میؤد و فی گیاره آباره ایس ایس میزو و فی گیاره آباره آباره ایس میزو و فی گیاره آباره آباره ایس میزو و فی گیاره آباره آباره کار میرمون به آشاه می میزو آبار ایس میزو آبار آباری سول او دستس کا اور ایس میزو آباری سول او دستس کار در ایس کار آباری سول ایس کار آباری میزو آباری سول ایس کار آباری میزو آباری می

श्री रामचन्द्र विकल (उत्तर प्रदेश): उपसभापित महोदया, मैं इनका समर्थन करता हूं । हज के लिये जाने वालों के साथ जो दुर्व्यवहार हुआ, जो उनको तकलीफें हुई यह बहुत अहम बात है । यह नहीं होना चाहिये और माननीय सदस्य ने जो कुछ कहा है मैं उसका समर्थन करता हूं ।

थी सीर्जा ईर्जाटबेग (गुजरात): उपसभापति महोदया, जिस बात को शमीम बहमद सिहकी साहव ने यहां पर उठाया है मैं इसका हादिक समर्थन करता है। इसके पहले भी इस बात की चर्चा इस सदन में हो चुकी है। मान्यवर, जब कुर्रा समय पर हो जाता है तो पता लग जाता है कि कितने लोगों को पहंचना है। लेकिन हज कमेटी की अरे से उन लोगों को जो सुचना जानी चाहिये वह ऐन वक्त पर सुनाई जाती है और इससे गड़बड़ी हो जाती है ग्रीर वे लोग समय पर नहीं पहुंच पाते लेकिन इस वक्त जो इंतजाम हये मेरी समझ में यह नहीं म्राता कि पहले से हाजियों की संख्या तय होती है। जाने वाले जो व्यक्ति होते हैं वे तय होते हैं। लेकिन इसके बावजूद उनको समय पर न ब्लावा दिया जाता है ग्रौर जो कार्यवाही उनकी पहले होनी चाहिये वह कार्यवाही नहीं की जाती है। मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करता हूं कि सरकार इस बात की तहकीकात करे कि गड़बड़ी का क्या कारण है श्रौर इन कारणों को किस प्रकार से दुरुस्त किया जा सकता है । मैं यह भी कहना चाहंगा और महोदया श्राप उस वक्त सदन में

<sup>†[]</sup> Transliteration in Arabic Script.

मौज्द थीं जब इस वात को उठाया गया था, हज कमेटी के मामले को उठाया गया था । इसमें बहुत किमयां हैं इसके बारे में पूरे सदन ने एक आवाज में कहा था कि इसके बारे में जो दिक्कतें पेश ग्रांती हैं ग्रीर जो मेमोरेंडम सरकार के पास है सरकार को उसके ऊपर तवज्जह देकर उसको निपटाने की कोशिश करनी चाहिये उनको टिकट में, फेयर में जो कंसेशन दिया जाता है वह नहीं दिया जाता है ? इसका कोटा बढ़ाने के बारे में अभी सऊदी अम्बेसडर ने अपने प्रेस स्टेटमेंट में कहा है कि हमने ग्रपनी म्रोर से कोई पाबन्दो नहीं लगाई है। इस लिये मैं सदन के माध्यम से सरकार से यह मांग करता हं कि जो कोटा बढाने की बात है उस दिशा में जो भी भलतियां इस वक्त हुई हैं उनको दूहस्त करने की कोशिश की जाय ।

Special

श्रो नोहम्बद खलोलुर रहनान (ग्रांध्र प्रदेश) : शर्माम अहमद सिंहको जी ने जो स्पेशल मैंशन किया है उसकी मैं भरपुर ताईव करता है। मसलमान एक मकददस फरीजा अदा करने के लिये हज को जाता है। जब वह हज को जाता है तो पूरी सहलियतें उनको देना हुक्मत का फर्ज है ग्रीर हक्षमत की ग्रोर से यह काम खासतीर पर सेंट्रल हज कमेटी करती है। यह सेंट्रल हज कमेटी का फर्ज है कि हाजियों के लिये वह पूरा इंतजाम करें, उनको पूरी तरह क्षे सहिलयतें दे। मगर श्रकसोस की बात है है कि इस साल यह देखा गया है कि सेंटल हज कमेटी अपने फरायज में नाकाम रही है। उसे जो सहिलदर्दे हाजियों को पहुंचानी चाहिये थीं, वे सहलियतें सेंट्ल हज कमेटी नहीं पहुंचा पाई है। हाजियों को ग्रामद रफत और सऊदी अरब में क्यामी-तग्राम के ताल्लक जितनी भी सहलियतें हज कमेडी को पहुंचानी चाहिये थीं, सेंट्ल हज कमेटी उसमें नाकाम रही है । मेरी हुकूमत हिन्द से दरख्वास्त है कि वह इस मामले को सीरियसली ले ग्रौर सेंटल हज कमेटी तफसील मांगे ताकि ग्राइंदा इस की गलतियां न होने पायें। तरह

الوحدى ورها والإلاداك والدحررات : سوا دوران الما المالية ا عالات در دیاج کوهانگ و به ای سرا آدا که حدا کوند کارتری (درکلومت) ارتیک به کا ما والمديم بشل ع كمين كران به يم نبطل و كمين می مرص یکوماه دن کمدید ده در انساع کرد. اکد فروندی می مردایش به گذامه رای دند ترد امریس آن به کورگیری میراشل می کنورای دالان سون کام دور ای و سولتی جا و در توسی ( را این و در در این سزل کاکمن و برد سیالی برد سواحد در اگر در در او سر کاروری سیالی برد معاصر در در این در سرای دوری اس و این می این در این منها علي المروا موديا عام ويوع - سري ما س مل وامر به وه اس معد ارتواد ن 

श्री मोहम्मद ग्रमीन ग्रंसारी (उत्तर प्रदेश) : महोदया, शमीम ग्रहमद शमीम जी ने जो कहा है मैं उसकी ताईद करता है, समर्थंन करता हं । हज के लगत में मायने हैं जियारत का इरादा करना और इस्लामी गरीयत में हज के जमाने में खाना-ए-काबा की जियारत करना ग्रीर मैदान ग्रराफात में . हाजरी देना इसको हज कहते हैं। जैसे नमाज, रोजा और जकात फर्ज है उसी तरह हर मसलमान अजाद ग्रौर ग्राकिल बालिक तन्दरूस्त पर जिन्दगी में एक बार हज करना फर्ज है जो मक्के तक ग्राने जाने की कुदरत रखता हो । कुरान मजीद के चौथे पारे में इरशादे खुदावन्दी है :--व लिल्लाहे अलन नासे हिज्जल बैते मनिस तताह ऐलैंे सबीला। ग्रल्लाह की तरफ से लोगों पर खाना-ए-काबा का हज फर्ज है जो वहां तक पहुंचने की इक्तंताग्रत रखे । इसी तरह हदीस शरींफ की किताब मुसनदे ग्रहमद में इरशादे नव्बी है "हज सारी जिन्दगी में एक बार फर्ज है और जो शख्स इससे ज्यादा करे वह निफल है " लिहाजा ग्रगर कोई शख्स

299

कुदरत के बावजूद हज नहीं करता तो वह मुसलमान होने को अपने अमल से झुठलाता है।

ह्वीस की किताब अबू दाऊद शरीफ में इरशादे नववी है, "जो शब्स विला उजर शरई हज और निकाह न करे वह मुसलमान नहीं है" (समय की घन्टी) महोदया, मेरी बात को एक मिनट के लिये सुन लें। जिस तरह हज फरजियत अहमियत है उसी तरह हाजी की बहुत ही वड़ी अहमियत है इससे दुआ मिलती है। हदीस की किताब मुसनदे बज्जार में इरशाते नववी है "हाजी की मगफिरत कर दी जाती है और जिसके लिये वह मगफिरत तलव करे उसकी भी मगफिरत कर दी जाती है";

कुरान पाक में हाजियों को हिदायत है:— फमन फरज की हिन्नल हज्ज फला रफस वला फुसूक बला जिदाला फिल हज्ज।

जिसका तरजुमा यह है कि जो शख्स हज का इन महीनों में फैसला करे उसको चाहिये कि उस पूरी मुद्दत में शहवानी बात न करे, न ही कोई बुरा काम करे श्रीर न लड़ाई झगड़ा करे ।

इम साल हाजियों को बेहद परेणानी हू ई है मसलन परवाजों के प्रोग्राम दरहबबरहम होना, सेंट्रल हज कमेटी का कागजात की तकमील न करना, किराये में झचानक इजाफा हो जाना सऊदी झरब में हाजियों के कयाम के लिये मकान के किराये के लिये 750 रियाल लगभग ढाई हजार रुपये जबरन वसूल करना और बहुत सारी बातें हैं। इसकी तमाम जिम्मेदारो अन्यक्ष सेंट्रल हज कमेटी, बम्बई के जिम्मेदारों पर, दिल्ली हज कमेटी, सदर

श्रीर इसके सारे जिम्मेदारी पर श्रीर यू० पी० हज कमेटी के सदर और उनके सारे जिम्मेदारों पर आती है। मेरा आपसे मुतालबा है इस हाऊस के जरिये कि सारी कमेटीज को तुरन्त डिजाल्व कर दिया जाए । सेंट्रल हज कमेटी, वम्बई, दिल्ली और युव्पीव हज कमेटीज को डिजाल्व कर के एक नयी कमेटी बनाई जाए जो हज के बारे में जानते हों उनको उस में रखा जाए। मैं यह बात खुल कर कह सकता हूं कि इस ग्रहम फरिजा-ए-खिदमत नाकिसातुल अक्रलेवद्दीन की सर-बराही में कथामत तक पाया-ए-तकमील को नहीं पहुंच सकता। हदीस की किताब बुद्धारी शरीक सफा 637 और सफा 1053 पर लन पुफलिहा कीमून वल्लव ग्रमरहम इमरातन जो लिखा है उसका मतलब यह है कि कयामत तक वो लोग कामयाबी का मह नहीं देख सकते जिसके दीनी काम ग्रीरत की सरबराही में हो रहे हों। हासिल यह है कि औरत दीनी उमर की जिम्मेदारी की ग्रहल नहीं है। इसी तरह एक हदीस में इरशादे नववी है जब जिम्मेदारी नाझहिल के हवाले कर दी जावे तो कथामत का इंतजार करो।

इसलिए मेरा मुतालबा है कि हाजियों को राहत मिले और उसकी सरबराही और जिम्मेदारी किसी मर्द जो हाजी हो और दीनदार हो के सुपुर्द की जावे नाकि आइंदा साल हुजाजकाम को राहत मिले और वो खाना-ए-काबा के खिलाफ को पकड़ कर हजरत इब्राहीम की तरह अपने और अपने मुल्क के लिए दुखा करें। 301

रब्बिज अल हाजां बलादन ग्रामिनव वरजुक श्रटलुह मिनस्संमरात, यानी ए मेरे रब इस मुल्क को श्रीर मेरे मल्क व - शहर ग्रौर पुरग्रमन शहर बना दे ग्रीर इसके बाशिदों को फल-फुल से मालामाल कर दे। इन ग्रल्फ़ाज के साथ मैं एक वात ग्रीर कहना चाहता हं कि सेन्ट्रल गवर्नमेंट हज ग्रीर श्रोकाफ़ के लिए एक इंडीपेंडेंट मिनिस्टी बना दे श्रौर ऐसे लोगों को जिम्मेदारी दे जो ग्रौकाफ ग्रीर हज के बारे में जानकार हों। मैं एक बात कह कर खत्म करना चाहता हुं मैंडम, पांच हजार से ज्यादा दिल्ली से य०पी० से हाजियों को हज करने के लिए यहां ग्राना पड़ा ग्रीर बहत मसीवर्ते उनको यहां उठानी पड़ीं । उनसे जबरन 750 रियाल लिया गया, उनके रहने के लिए नाकिस इंतजाम रहा ग्रौर घटने-घटने पानी में उनको रहना पड़ा ग्रीर इस प्रकार 10 दिन तक उन्हें परे-शान होना पड़ा। यहां के दिल्ली हज कमेटी के लोग और सैन्ट्रल हज कमेटी के लोग उन्होंने कहा कि हवाई जहाज नहीं ग्राया ग्रौर मैं 17-7-88 तारीख को हवाई ग्रहा गया तथा सऊदी ग्ररेबिया के एम्बेसडर से मिला ग्रौर दूसरे लोगों से मिला। उन्होंने कहा कि तीन हवाई जहाज खड़े हुए हैं। मैंने वहां इंतजाम करवाया दिल्ली हज कमेटी के लोग सब भाग गए थे हज कमेटी के लोग जो कि जिम्मेदार थे, इसलिए मैं कहना चाहता हं कि ऐसे लोगों को तुरन्त वर्खास्त किया जाए। मैं शक्रिया ग्रदा करना चाहता हं ग्रपने हरदिल ग्रजीज वजीरे ग्राजम का जिन्होंने पानी के जहाज शिप से हाजियों को भेजा और जिन लोगों ने अभी 18 तारीख को हमारे शिवराज पाटिल जी ने. नरसिंह राव जी ने, मोहसिना किदवई जी ने ग्रीर जंड० ग्रार० ग्रंसारी जीने उन्होंने सऊदी अरब से परिमन्तन लिया और यहां से हाजी लोग गए। उनका मैं भिक्तिया 🖘 ब्रदा करना चाहता हूं और उम्मीद करता हंकि जो बात मैंने कही हैं उन पर तुरन्त कार्यवाही होगी।

† ( مندی محد الدعد و الم مروانی): مهیده شم المحرم ا 2 مد و ترکیب سر امن آن مالید کردا مون رامد تان کرد سرداع على العنت الله معنى بن زاد دسامًا المرادة كرا . أوراسداى المرفث من ج ك زهاد عن عالم كلا كهز المات مرعار مداز وروات من معيد د مح كين بن جيد مدر دوره او دکرد مرمن س اس طره موسلان آراد اوعامل الخرندری بردشگرین ایکر در فرم ب مرکز کشیری کی فوت را دار -وراق ميرسره وي يرب من ارشاد در ولا وكان ا ولده له الناسورج البستدم المسلام ثری، اد اللہ فی فرصعت گؤوں برحان<sup>یا م</sup>کاں کا نج ف**رص**ت عرمان تک بھے کہ استفاءشد مسکک پ وه سنياد برنے كولىك محل مے المقالانطاب בישון עבת - יולי שורנטן היציארים اللاع م ويست واست بالماع عاود كوستم وه تعديث طلب كروه اس كي كان معدم كاد واسال ال من رس وس الح ملة رست واحدال ي الح عديكا فرعد والبه كم و شحال ع كالل مهول مورا مع المراجع اس کرنا سے کر اس ہوی مدور سو برقبرالی ای زیوجہ برورانه ويهرس مرارستول ع يكريها كالدامة شارة ترنا بكرارس لصاكب احداء مره الما يصيري عرب pres of alliet 2 culling

<sup>†[]</sup> Transliteration in Arabic Script,

Special

303

تكديك في المرابعة والدول والمرابعة المدينة ال مین کند مدامدور و دلی فیکن کا عید امر اسک مدر اردان ان کا مین مدر اردان ان کا مین مرا در اردان اس كالمريك ولل كاسارى كمفرم لار أجوزال كاطار مشل عکمی محرتیما اور اوع عمی کمینی از را د کوک ان دا این م رک است. می در در کام کرگرست این کوان ایم خرص فروست و مدرمت الشق دادی ا مرمایه Kin who who have a صرف در ارد استراحت مر به این از مستری ایرو در این ب ارد او صویحت آن لفتح توم و اوم و مم امراع ه " استاد داند به معالات و مستحد بداند استان ایسر الوده و الكريوب والمرساد موجعت معد روداي Tiller Ste goog sport the control ميدك بالمه المراق والمراق والمراق المراق ال سی این منت که ایاره اگریزات رسد وجعل مترا بدات این ارزی اعدان اشراده . لن ك مودر على من معداد أدبره مند مسرك لدرناص مور سرسد ادداس ك ما سرما كا جمع مو الريد مالا مالي م دے۔ افالفاظ کے ساتھ معالم ان ارکانا اللہ مرسيط والمعالم المساء المساكمة المساكمة مسترجها ديد الدال في أمها عداد مداور ج ك اور مرسان كار مول راي م المرام داد را في ליביוני ליבון לולביום ומים וליטונה whimal of or well and a same ف كر الكلي فرن ران ي مركن م عدد الديد ادر كه دي كنيف من استك مرد كالله الله على الله ان کو دنیا بڑا ۔ اس لم یہ رسی ودن کند اس براٹ اس براٹ ہے۔ بڑا ۔ جان ول بے کمن کند مک ارسنو کے کمی کدنگ

الم من المراجعة المر عدرامن على من جازكون مرع س مون على المنظام كروانا . من في تكن كاكترك كروانا . وفي List of Jes Sur - Si List ? عند دارين اس في سواكنا ما تا مون كرالي وون E 10 5 ( 10 10 2 10 10 2 1 13 8 10 10 00 00 ے رمیس سا اور ساوارے طاق لوگ کے ان کا س سکر المداكم المواحد كالمواكمة والمحروبات المن سوال مردوراً عدوالي الأكوال

डा० अवरार ग्रहमद खान (राजस्थान): माननीया उप सभापति महोदया, जो माननीय सदस्य सिद्दीकी साहब ने विशेष उल्लेख रखा है मैं भी अपने आपको उससे जोड़ता हं श्रीर यह जो हज के मामले में इस तरह की ग्रव्यवस्था फैली है यह एतिहासिक श्रव्यवस्था थी ग्रौर इस बात को ले करके हिन्द्स्तान के अकलियती तबके में जिन-जिन परिवारों के लोग मिलने के लिये हज करने गये थे वास्तव में वे बेहद परेशान रहे कि क्या हो रहा है बम्बई जाने के बाद जा पा रहे हैं या नहीं जा पा रहे हैं तो हकीकत में यह बहुत ही परेशानी की वात थी। इसलिये मेरा मतालवा है कि भविष्य में इस बात का पूरा ध्यान रखा जाय कि हज यादियों को जाने के लिये सहलियत रहे और उनके जाने की व्यवस्था सही हंग से की जाय ग्रीर साथ ही इसके लिये जो भी लोग जिम्मेदार हैं उनकी जांच करके उनको सजा दी जाय तथा ग्राने वाले वक्त के लिये ग्रच्छी कमैंटियां और अच्छे लोगों को मुकर्रर किया जाय। Helicopted crash near Vaishno Devi

Temple in Jammu and Kashmir

डा॰रत्नाकर पाण्डेय (उत्तर प्रदेश) : माननीया उप सभापति जी, विशेष उल्लेख के माध्यम से 14 जुलाई को वैष्णों देवी जम्म-कश्मीर में जो हेलीकाप्टर की दुर्घटना हुई है उस ग्रोर मैं ध्यान ग्राकृष्ट करना चाहता हूं। 14 जुलाई को जम्मू और कटरा से पवन हंस हेलीकाप्टर ने तीन उड़ान भरीं । दो उड़ान तो ठीक ठाक थी, लेकिन तीसरी

t[] Transliteration in Arabic Script.